REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
हिंदी
तद्भव- तत्सम
LIVE
04-02-2025 06:00 PM

संस्कृत

तत्सम् परिभाषा - तत्सम दो शब्दों तत + सम से मिलकर बना है। जिसका अर्थ होता है उसके समान अर्थात संस्कृत के समान।

हिन्दी में अनेक शब्द संस्कृत से सीधे आए हैं और आज भी उसी रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं अर्थात जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन अथवा बदलाव का उपयोग किया जाता है उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। इसमें ध्वनि परिवर्तन भी नहीं होता है। जैसे – दधि, गोमय, अक्षि

अक्षि → आँख

दधि → दही

गोमय → गोबर

तद्भव परिभाषा तद्भव (तत् + भव) शब्द का अर्थ है – उससे होना अर्थात् संस्कृत शब्दों को थोड़ा परिवर्तित करकर बने शब्द। समय और परिस्थिति की वजह से तत्सम शब्दों में जो परिवर्तन हुए हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते है।

संस्कृत के जो शब्द प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी आदि से गुजरने के कारण आज परिवर्तित रूप में मिलते हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते है। जैसे – किवाड़ , लाख, आँख, गोबर इत्यादि ।

भाषा

कपाट लक्ष अक्षि गोमय

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम –

1. तत्सम शब्दों के पीछे 'क्ष' वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे 'ख' या 'छ' शब्द का प्रयोग होता है। खीर - क्षीर
2. तत्सम शब्दों में 'श्र' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में 'स' का प्रयोग हो जाता है। सावन – श्रावण
3. तत्सम शब्दों में 'श' का प्रयोग होता है।
4. तत्सम शब्दों में 'ष' वर्ण का प्रयोग होता है।
5. तत्सम शब्दों में 'ऋ' की मात्रा का प्रयोग होता है।
6. तत्सम शब्दों में 'र' की मात्रा का प्रयोग होता है।

7. तत्सम शब्दों में ‘व’ का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ‘ब’ का प्रयोग होता है।

तद्भव	तत्सम्
अठावन	अष्टपंचाशत्
अदरक	आर्द्रक
उन्तालीस	ऊनचत्वारिंशत् / नवत्रिंशत्
अँगरखा	अंगरक्षक
अजवायन	यवनिका
असगंध	अश्वगंध

इक्यावन	एकपंचाशत्
इक्यासी	एकाशीति
उजाला	उज्ज्वल
उन्तीश	नवविंशति
ओढ़ना	उपवेष्टन
औंधा	अवमूर्ध
औटाना	उत्तापन

कचहरी	कृत्यगृह
काढ़ा	क्वाथ
कोहनी	कफोणी
कच्चा	कुफ्च/कषण
कंघी	कंकती
करेला	कंडुर / कारवेल
खाना	खादन

खोदना	क्षोदन
गेंद	कंदुक
गड़रिया	गड्डलिका
चाहे	चक्षते
चिड़िया	चटिका
चींटी	पिपीलिका
चोरी	चौरिका / चौर्य

चख	चक्षु
छिलका	शकल
छब्बीस	षटविंशति
छोड़ना	क्षोडन
झुकना	अध्युक्त
टाँका	टंक
ढाई	अर्धतृतीय

पिछौरा	पक्षपट
परनाली	प्रणाली
पीढ़ी	पीठिका
पुतली	पुत्तलिका
बाड़ी	वाटिका
बत्ती	वर्तिका
भोजपत्र	भूर्जपत्र

महुआ	मधूक
रीठा	अरिष्ट
रहट	अरघट्ट
राख	क्षार
शीशम	शिंशपा
कान	कर्ण
खेत	क्षेत्र

बात	वार्ता
चंदा	चन्द्रमा
अमिय	अमृत
अच्छर	अक्षर
बन्दर	वानर
मक्खी	मक्षिका
ससुर	श्वसुर

काटना	कर्तन
हल्दी	हरिद्रा
पंख	पक्ष
ऊँट	उष्ट्र
काम	कर्म
अजान	अज्ञान
आँख	अक्षि

बाती	वर्तिका
भभूत	विभूति
हाथ	हस्त
कुत्ता	कुक्कुर
कोयल	कोकिल
लाख	लक्ष
किवाड़	कपाट

कूची	कूर्चिका
मोर	मयूर
सोना	स्वर्ण
गाय	गौ
जामुन	जम्बु / जम्बुक
भैंस	महिषी
गोबर	गोमय

पिय	प्रिय
कपड़ा	कर्पट
नारियल	नारिकेल
भँवरा	भ्रमर
मुदरी	मुद्रिका
चूरन	चूर्ण
मनई	मानव

पंछी	पक्षी
गधा	गर्दभ
घर	गृह
नेह	स्नेह
लाज	लज्जा
कंधा	स्कन्ध
रीस	ईर्ष्या

ढीठ	धृष्ट
अखरोट	अक्षोट
ओझा	उपाध्याय
मिट्टी	मृत्तिका
बारात	वरयात्रा
पंख	पक्ष
हुलास	उल्लास

दीठि	दृष्टि
मुदरी	मुद्रिका
रात	रात्रि
कुआँ	कूप
बाघ	व्याघ्र
मुँह	मुख
तीरथ	तीर्थ

सूरज	सूर्य
गेहूँ	गोधूम
देवर	द्विवर
आज	अद्य
खप्पर	खर्पर
दूध	दुग्ध
दही	दधि

गहरा	गम्भीर
मोती	मौक्तिक
घोड़ा	घोटक
दिन	दिवस
पलंग	पर्यंक
सच	सत्य
सौत	सपत्नी

कोख	कुक्षि
भूख	बुभुक्षा
कड़वा	कटु
पत्थर	प्रस्तर
आँसू	अश्रु
बच्चा	वत्स
अचरज	आश्चर्य

पत्ता	पर्ण
खीर	क्षीर
घी	घृत
जिजमान	यजमान
धरती	धरित्री
चना	चणक
ऊन	ऊर्ण

साँप	सर्प
घड़ा	घट
अकाज	अकार्य
खाट	खट्वा
पोखर	पुष्कर
सुई	सूचिका
आसमान	आकाश

केस तद्भव	केश तत्सम
गनेस	गणेश
हरा	हरित
सगुन	शकुन
सुमिरन	स्मरण
सबद	शब्द
सुनार	स्वर्णकार

सीख	शिक्षा
मच्छर	मत्सर
भीख	भिक्षा
बगुला	वक
बढ़ई	वीर्ध
पतोहू	पुत्र वधू
पात	पत्र

नाच	नृत्य
नंगा	नग्न
धीरज	धैर्य
थामना	स्तम्भन
ढ़ीला	शिथिल
झरना	निर्झर
झीना	जीर्ण

जोगी	योगी
जुगति	युक्ति
चोरी	चौर्य
छुरी	क्षुरिका
कैसा	कीदृश
गोत	गोत्र
चौपाया	चतुष्पद

ऐसा	ईदृश
आँच	अर्चि
आयसु	आदेश
अपाहिज	अपादहस्त
जम्हाई	जृम्भिका
अगुआ	अग्रणी
चीता	चित्रक

चबाना	चर्वण
गाहक	ग्राहक
ग्वाला	गोपालक
गिरगिट	गलगति
मूँछ	श्मश्रु
केवट	कैवर्त
केवड़ा	केविका

कुँवर	कुमार
आसाढ़	आषाढ़
खाँसी	कास
कन्नौज	कान्य कुब्ज
उजला / उजाला	उज्ज्वल
उबटन	उद्वर्तन
आमचूर	आम्रचूर्ण

आसरा	आश्रय
मनुष्य	मानुष
आँत	आंत्र
अटारी	अट्टालिका
अजान	अज्ञान
इमली	अम्लिका
इलाइची	एला

घूँघट	अवगुंठन
अँगीठी	अग्निष्टिका
अँधेरा	अंधकार
भाप	वाष्प
अँगूठा	अंगुष्ठ
अच्छर / आखर	अक्षर
ब्याह	विवाह

बारिश	वर्षा
बारात	वरयात्रा
बैंगन	वार्ताक
बेटा	वटु
बजरंग	बज्रांग
लोमडी	लोमशा
लौंग	लवंग

रूखा	रूक्ष
राजपूत	राजपुत्र
रस्सी	रज्जु
राखी	रक्षा / रक्षिका
सिक्ख	शिष्य
भँवरा/भौंरा	भ्रमर
भाँजा	भागिनेय

बहिन	भगिनी
भालू	भल्लुक
बाँझ	बंध्या
फेफड़ा	फुफ्फुस
परख	परीक्षा
सौंठ	शुंठि
मौत	मृत्यु

बाघ	व्याघ्र
जौ	यव
मामा	मातुल
मीत	मित्र
माथा	मस्तक
बिच्छू	वृश्चिक
जड़	जटा

मकड़ी	मर्कटी
मेंढक	मंडूक
जुआरी	द्यूतकारी
दरसन	दर्शन
नारियल	नारिकेल
नींबू	निम्बक या निम्बुक
जुआ	द्यूत

दीया	दीपक
दियासलाई	दीपश्लाका
चबूतरा	चत्वाल
उसास	उच्छवास
अखाड़ा	अक्षवाट
साड़ी	शाटिका
नेवला	नकुल

भेडिया	वृक
रसोई	रसवती
साली	श्याली
साला	श्याल/श्यालस
ससुर	श्वसुर
सावन	श्रावण
सीढ़ी	श्रेणी

सियार	शृंगाल
सिंगार	शृंगार
सास	श्वश्रु
साँवला	श्यामल